AMAR UJALA MY CITY Page 5

आरक्षण के नियमों का पालन नहीं हुआ तो अमान्य होंगे दाखिले

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से सहयुक्त कॉलेजों द्वारा दाखिलों में की जाने वाली मनमानी पर लगाम लगाने के लिए विवि प्रशासन ने कॉलेजों को दाखिले में राज्य सरकार के साथ ही एनसीटीई और बीसीआई के मानकों का पालन करने की हिदायत दी है। ऐसा नहीं करने पर एडमिशन अमान्य करने की चेतावनी दी गई है।

कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने शनिवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश में स्पष्ट कहा गया है राज्य सरकार द्वारा जारी आरक्षण नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। असल में कई महाविद्यालयों द्वारा मनमानी दाखिले करने की शिकायत आती है। आरक्षण नियमों का कतई पालन नहीं किया जाता। यहां तक कि अनुदानित कॉलेजों में भी इस नियम का ध्यान नहीं रखा जाता। पिछले साल कुछ अल्पसंख्यक कॉलेजों के खिलाफ लविवि में शिकायत भी की गई थी। इस साल वही स्थिति न हो इसलिए लविवि ने पहले से ही दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। आदेश में विशेष रूप दे एनसीटीई और बार काउंसिल ऑफ इंडिया का जिक्र किया गया इनके प्रावधान का भी सही से पालन नहीं हो रहा है। इस वजह से भी ये आदेश जारी करना पड़ा है।

दाखिला प्रक्रिया में कॉलेजो की मनमानी के चलते कुलसचिव ने जारी किया आदेश

विषय के आवंटन में भी मनमानी

लविवि अपने कॉलेजों को विषय के हिसाब से मान्यता देता है। बीए में कॉलेज को जिन विषयों की मान्यता मिलेगी, वे उसी की पढ़ाई करा सकते हैं। कॉलेज के लिए शिक्षकों की संख्या के हिसाब से हर विषय में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी पहले से तय होती है। बावजूद कई कॉलेजों में इस नियम की धज्जियां उड़ती हैं। यहां तक कि किसी विषय में नाममात्र के विद्यार्थी होते हैं तो किसी में एक शिक्षक होने के बावजूद 500 तक दाखिले कर लिए जाते हैं। इस तरह से विद्यार्थियों की पढ़ाई काफी प्रभावित होती है। विवि प्रशासन इस पर भी लगाम कसने की तैयारी कर रहा है। माना जा रहा है कि नए सत्र में दाखिले के साथ ही विषयवार दाखिले का ब्यौरा भी मांगा जाएगा। इसके बाद इस फर्जीवाड़े पर भी लगाम लगेगी।

लविवि : बिना पढ़ाई परीक्षा और प्रमोशन दोनों ही बेकार

माई सिटी रिपोर्टर

शिल्पकला महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सुनाई पीड़ा, कहा- वैकल्पिक समाधान तलाशने की जरूरत

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिल्प कला संकाय के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा और प्रमोशन दोनों ही स्थितियां परेशानी वाली है। आर्ट्स कॉलेज में 80 प्रतिशत पढ़ाई प्रैक्टिकल पर आधारित है। मूर्तिकला, चित्रकला तथा अन्य कई पाठ्यक्रम केवल महाविद्यालय में उपलब्ध सामग्री, यंत्र और शिक्षकों के प्रत्यक्ष दिशा निर्देशन के माध्यम से ही पूरे हो पाते हैं। अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का भी कहना है कि उनके लिए सिर्फ डिग्री का महत्व नहीं है, जो काम वह सीखना चाहते हैं क्लास के अभाव में वह नहीं हो सका है। ऑनलाइन क्लास में यह संभव नहीं है। ऐसे में शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक समाधान तलाशने का प्रयास कर रहे हैं।

शिल्पकला महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में स्टोन कार्विंग, क्ले वर्क, फोटोग्राफी, ग्राइंडिंग, टेक्सटाइल डिजाइन, मूर्तिकला के साथ ही लोहे और ब्रोंज का काम होता है। इसके लिए कच्चा माल तथा केमिकल आदि की जरूरत होती है। ज्यादातर विद्यार्थियों के लिए इसकी व्यवस्था करना संभव नहीं होता है। अगर इसकी व्यवस्था हो भी गई तो इसके लिए जरूरी यंत्र नहीं होंगे। विद्यार्थी ये सारे काम आर्ट्स कॉलेज में अपने कई महीने के प्रोजेक्ट के माध्यम से पूरा करते हैं। जिस समय लॉकडाउन हुआ, ज्यादातर विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट करीब 80 फीसदी ही हो पाये थे। लॉकडाउन होने के बाद वे अपना काम पूरा नहीं कर पाए। विद्यार्थियों का कहना है कि इस समय अगर वे परीक्षा देंगे तो उनका ज्ञान अधूरा ही है। अगर उनको प्रमोट भी किया जाता है तो भी उनको कोई फायदा नहीं क्योंकि केवल डिग्री लेकर वे क्या करेंगे जबकि उन्हें उसका वास्तविक ज्ञान ही नहीं होगा।

आज बैठक में होगा मंथन

राज्य सरकार के निर्देशों के आधार पर लविवि को भी विद्यार्थियों के लिए परीक्षा और प्रमोशन संबंधी पॉलिसी बनानी है। इसके लिए लविवि में रविवार को बैठक का आयोजन किया जाएगा। कुलपति के साथ होने वाली बैठक में डीन और विभागाध्यक्ष होंगे। बैठक में शिल्पकला संकायाध्यक्ष भी उपस्थित रहेंगे। डीन डॉ. आलोक कुमार शिल्पकला संकाय के विद्यार्थियों की समस्याओं और समाधान बैठक में रखेंगे। इसी के आधार पर कोई फैसला हो सकेगा।

मौजूदा परिस्थितियां सामान्य नहीं हैं। हमें विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही कोई फैसला लेना है। कुलपति की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में इस पर मंथन होगा, जो सबसे अधिक उचित होगा, किया जाएगा।
- डॉ. आलोक कुमार, डीन, संकायाध्यक्ष शिल्पकला संकाय

NBT Page 7

शिक्षकों की प्रोन्नति मामले की जांच कुलसचिव को

■ **एनबीटी, लखनऊः** लखनऊ यूनिवर्सिटी टीचर्स असोसिएशन (लूटा) की मांग पर कुलपति ने शिक्षकों की प्रोन्नति मामले की जांच कुलसचिव को सौंपी है। इसकी रिपोर्ट 10 दिन में कुलपति को देनी होगी।

एलयू में शिक्षकों की प्रोन्नति के मामले को लेकर लूटा ने गुरुवार को कुलपति के साथ वैठक की थी। इसमें लूटा ने ₹8000 एजीपी से ₹9000 एजीपी में शिक्षकों की प्रोन्नति 11 अक्टूबर 2017 के शासनादेश के अनुसार किए जाने की मांग की थी। इनमें लगभग 45 से 50 शिक्षकों की प्रोन्नति होनी है। वहीं, कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि मामले को निस्तारित करने के लिए जांच की जाएगी क्योंकि शिक्षकों के कुछ मामले कोर्ट में भी लंवित थे।

HINDUSTAN Page 8

एलयू : एक दशक में सबसे ज्यादा आवेदन

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 में प्रवेश लेना आसान नहीं होगा। छात्रों को कड़ी प्रतिस्पर्धा से गुजरना होगा। इस बार यहां आवेदन के सारे पुराने रिकॉर्ड टूट गए हैं। 55 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने प्रवेश के लिए इच्छा जाहिर की है। अभी आवेदन की अन्तिम तिथि बढ़ाई गई है। 31 जुलाई तक आवेदन लिए जा रहे हैं। ऐसे में यह संख्या और बढ़ सकती है।

लविवि में स्नातक की करीब 35 सौ और परास्नातक की करीब 45 सौ सीटें हैं। आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। लखनऊ के साथ बाराबंकी, हरदोई, उन्नाव समेत अन्य जिलों के छात्र भी आवेदन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय सूत्रों की मानें तो यह आंकड़े पिछले करीब 10 साल में सबसे ज्यादा हैं।

पाठ्यक्रम	सीट	आवेदन
बीए/ बीए (ऑनर्स)	1710	8855
बी.कॉम/बी.कॉम (ऑनर्स)	870	9802
बीएससी (बायो)	280	3321
बीएससी (गणित)	470	5480
एलएलबी (पांच वर्षीय)	120	3905
स्नातक प्रबंधन	360	2251
एलएलबी	320	3635
एलएलएम	60	1824

छात्र प्रवेश लेने से पहले मूल्यांकन करते हैं। जहां, उन्हें बेहतर गुणवत्ता मिलेगी, उनका रुझान होना लाजमी है। लविवि ऐतिहासिक विश्वविद्यालय है। ऐसे संस्थान से हर कोई जुड़ना चाहेगा। **- प्रो. आलोक कुमार राय,** कुलपति, लविवि

बीएड प्रवेश परीक्षा: 25 जुलाई तक आएंगे प्रवेश पत्र

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

9 अगस्त को प्रस्तावित बीएड प्रवेश परीक्षा के प्रवेश पत्र आगामी 25 जुलाई तक जारी होंगे। इसको लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय ने तैयारी शुरू कर दी है। कोरोना संक्रमण को देखते हुए प्रयास किया गया है कि अभ्यर्थियों को परीक्षा देने के लिए ज्यादा सफर न करना पड़े। इसके लिए गृह जनपद में ही परीक्षा केन्द्र बनाने की कोशिशें की गई हैं।

परीक्षा में शामिल होने के लिए करीब 4.31 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। परीक्षा के लिए प्रदेश भर में 1089 केन्द्र बनाए जा रहे हैं। खास बात यह है कि इस बार सिर्फ राजकीय और सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों को ही केन्द्र बनाया जा रहा है।

प्रवेश राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेई ने बताया कि कोरोना को देखते हुए सभी परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्थाएं की गई हैं। केन्द्र पर सैनिटाइजेशन प्रभारी तैनात किया जाएगा। थर्मल स्कैनिंग की व्यवस्था की जा रही है। थर्मल स्कैनिंग और अन्य औपचारिकताओं में लगने वाले समय को ध्यान में रखते हुए अभ्यर्थियों को एक घंटा पहले रिपोर्ट करना होगा।

I-NEXT Page 4

अब तो अपने ही शहर में पढ़ने की चाहत

एलयू में एडमिशन के लिए आ चुके हैं 55 हजार आवेदन

इस साल 70 हजार तक आ सकते हैं आवेदन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (18 July) : कोरोना संक्रमण के इस दौर में लखनऊ यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए इस बार रिकार्ड तोड़ आवेदन आए हैं. जो स्टूडेंट्स दिल्ली और मुंबई से ग्रेजुएशन की पढ़ाई करना चाहते थे, वे भी इस आपदा के दौर में एलयू से ही पढ़ाई करना चाह रहे हैं. गौरतलब है कि एलयू में एडमिशन के लिए आवेदन करने की लास्ट डेट 31 जुलाई है और अब तक यहां 55 हजार से अधिक आवेदन आ चुके हैं.

इन जिलों से अधिक आवेदन

यूनिवर्सिटी के सूत्रों के मुताबिक लखनऊ, रायबरेली, बाराबंकी, हरदोई, उन्नाव, गोरखपुर व बस्ती से इस बार दाखिले के लिए आवेदन अधिक आए हैं. इतना ही नहीं बलिया व देवरिया से भी जबरदस्त आवेदन आए हैं. बताते चलें कि पिछले साल लखनऊ यूनिवर्सिटी में आवेदन करने वालों की संख्या 35 से 40 हजार के बीच ही थी.

55 हजार आवेदन अब तक आ चुके

70 हजार आवेदन आने की उम्मीद

31 जुलाई है आवेदन की लास्ट डेट

किन जिलों से आवेदन

- लखनऊ
- रायबरेली
- बाराबंकी
- हरदोई
- उन्नाव
- गोरखपुर
- बस्ती
- बलिया
- देवरिया

दूसरे शहर नहीं जाना चाहते

एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि कोरोना के इस दौर में स्टूडेंट अपने शहर में ही रहकर पढ़ाई करना चाह रहे हैं. वे बहुत सोच समझकर एडमिशन के लिए यूनिवर्सिटी का चयन कर रहे हैं. स्टूडेंट उसी यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करना चाह रहे हैं, जहां एजुकेशन क्वॉलिटी अच्छी होने के साथ-साथ रिसर्च और इनोवेशन के भी मौके उन्हें मिलें. जिस तरह से आवेदन आ रहे हैं, उसे देखते हुए हमें पूरी उम्मीद है कि इस बार आवेदनों की संख्या 60 से 70 हजार के पार पहुंच जाएगी.

DAINIK JAGRAN Page 4

दाखिले के लिए आए 55 हजार आवेदन

लखनऊ, रायबरेली, बाराबंकी हरदोई व बस्ती से इस बार दाखिले के लिए आवेदन अधिक

जागरण संवाददाता, लखनऊ : कोरोना संक्रमण से उपजे हालात से यह स्पष्ट हो चला है कि दिल्ली और मुंबई से पढ़ाई करने के प्रति अभ्यर्थियों का मोहभंग हुआ है। लविवि में दाखिले के लिए आए रिकॉर्ड तोड़ आवेदन कुछ इसी ओर इशारा कर रहे हैं। लविवि में दाखिले की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। ऐसे में अब तक करीब 55 हजार से अधिक दाखिले के लिए आवेदन आ चुके हैं। बता दें कि लखनऊ विश्वविद्यालय में दाखिले की प्रक्रिया जारी है।

इन जिलों से अधिक आवेदन : विवि सूत्रों के मुताबिक लखनऊ, रायबरेली, बाराबंकी, हरदोई, उन्नाव, गोरखपुर व बस्ती से इस बार दाखिले के लिए आवेदन अधिक आए हैं। इतना ही नहीं बलिया व देवरिया से भी जबरदस्त आवेदन आए हैं।

बीते वर्ष 35 हजार पर सिमटा था आंकड़ा : बीते सत्र में दाखिले के आंकड़ों पर नजर दौड़ाई जाए तो यहां आवेदन करने वालों की संख्या काफी कम थी। विवि प्रशासन के मुताबिक बीते वर्ष महज 35 से 40 हजार के बीच ही आवेदन आए थे।

31 जुलाई है लखनऊ विवि में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि

60 से 70 हजार दाखिले के आवेदन का आंकड़ा पार होने की उम्मीद

संक्रमण के कारण छात्र बाहर न जाकर अपने शहर में पढ़ने की दिलचस्पी दिखा रहे हैं। यह भी एक कारण हो सकता है, मगर सबसे बड़ा और मूल कारण यह है कि बच्चे एनालिसिस करके ही आवेदन कर रहें। जहां शिक्षा में क्वालिटी, रिसर्च व इनोवेशन होगा। स्वाभाविक है कि छात्रों का उस ओर रुझान बढ़ेगा। इसी आधार पर हमें उम्मीद है कि इस बार आवेदन की संख्या 60 से 70 हजार के पार जाएगी। **प्रो. आलोक कुमार राय,** कुलपति, लविवि

THE PIONEER Page 4

BCom, BCom (Hons) most sought-after programmes at LU

PNS ■ LUCKNOW

Maximum number of students are aspiring for admission to Lucknow University to take up BCom and BCom (Hons). This was revealed in the admission status data, which was released by LU on Saturday.

LU media spokesperson Durgesh Srivastava said the last date for submitting applications had been extended to July 30.

LU has received over 9,802 applications for BCom and BCom (Hons), which is the highest for any subject. For BA and BA (Hons), the total number of applications received is 8,855.

For 470 seats in BSc (Mathematics), the university has received 5,480 applications while for 120 seats in LLB (5-year course), LU has received 3,905 applications. For 280 seats in BSc (Biology), the university had received 3,321 applications. In MEd, 933 applications have been received for 625 seats.

The Shastri programme and Persian have only two applications while there have been no applications for Modern Arabic and one for Acharya.

On being asked if the university had received more applications this year in view of the corona pandemic, the media spokesperson said that the university was attracting aspirants on its own merit and the good ranking which it has received this year.